तुबारि

www.pangi.in
अब अंग्रेजी, हिन्दी त पंगवाड़ी भाषा अन्तर असी।

Issue - 100, October. 2020

तुबारि पत्रिके **100वा संस्करण** तुसी हरालण जे अस सुआ खुश असे। तुं प्यार त साथोठे लिए तु लाख लाख धन्यवाद। पंगवाड़ी भाषा सुहलियत करण अन्तर जे कोशिश भुण लगो असु, तेस पुठ तुस अपु मदद दी सकते।। धन्यवाद

क्र सं	**विषय सूची**	**पन्ने**
1	अपु कम पुठ ध्यान दिए	2
2	शिंकजी स्वाद	4
3	रिश्ता नभाणे कथा	7
4	फैस बुक फ्रैंड	8
5	घोड़े कीमत	12
6	धीरा बड़ाई रखे	14

अपु कम पुठ ध्यान दिए

यक गरोड़ा अपु गी बणाण जे खरी जगा हेरण लगो थिआ, से इ सोचताथ कि तेसे गी इ जगाई लौतु जेठी सुआ ललुड़ त मच्छी अओ लौती जे तेस जाला अन्तर शेचीयेल। ईं कर कइ से अपु जिन्दगी खान्ते पीन्ते त आराम जुओई जीण चहांताथ।

तेस गीहे भखरी कुड़ा अब्बल लगा। से तठि अपु जाला बुणण लगी। तेन तठि जाला होता बुणिण लओ थी त तेन बइ यक बल्ला आ। बल्ला तेस हेर कइ जोरी जोरी हसण लगा। गरोड़े जपल तेस केईआं हसणे मतलब पूछा त बल्लाए बोलु, "अउं तें बेकुफी पुठ हसण लगो असा। तोउ केतु नऊ ना कि ए जगा कति साफ सुथरी असी। एठि ना कीड़े मकोड़े असे, ना मच्छी। तें जाला अन्तर कोऊं शचिंता?"

बल्लाए ईं बोक शुण कइ तेन गरोड़े भखरी तेस कुणे छड़ दी कइ होरि जगा हेरण लगा। तेन गीहे बराणे झुमणी काई त तठि जाला बुणण लगा। तेन आधी जाला बुण कइ तैयार कइ छओ थी, तपल तठि यक चड़ी आई से तसे मजाक बणाण लगी, "ओई, तें बुध्दि बटा लगो असा ना, जे तु इस झुमणी पठ जाला बुणण लगो असा। जोरी ब्यार लगियल त तें जाला उडीर घेन्ती।"

विषय सूची

गरोड़े तेस चड़ी बोक सुसुर लगी तेन झट झुमणी जुओई जाला बुणण बन्न कइ छेई त होरी जगा हेरण लगा। हेरते हेरते तसे नजर यक पुराणी अलमरी पुठ लगी। तेस अलमरी दुआर थोड़ु खुलो थिउ। से तठि घेई कइ जाला बुणण लगी। तपल यक शकेड़ा तठि आ त तेस समझाण लगा, "इस जगाई जाला बणाण ठीक नेई इ अलमरी सुआ पुराणी भोई गओ असी। किछ रोजे बाद ए बेची घेण असी। तें पूरी मेहनत बेकार भोई घेण असी।"

गरोड़े शकेड़े गला मानी छड़ा। त अलमरी अन्तर जाल बणाण बन्न कइ छड़ा त होरी जगा हेरण लगा। पर ईं कते कते तसे पूरा रोज घेई गा। से थकी गा, ढुके टशे तसे बुरे हाल भोई गओ थिए। अब तेस अन्तर अति हिम्मत नेओथ रिहो कि से होरा जाला

बड़ाई सकियाल। ढुके टशे त थकी कइ से यक जगाई बिश गा। तठि यक टींझी बि बिशो थी। थको गरोड़े हेर कइ टींझि बोलु, "अउं तोउ भ्यागे केईआं हेरण लगो असी। तु जाला बुणण शुरु त कती पर होरी के बोके शुण कइ तेस कम आधू छई छती। जे होरी के बोकी पुठ एन्ता तसे तेन्धेरी ईं हाल भुन्ता।"

टींझि बोक शुण कई गरोड़े अपि गलती पता लगण लगा त से पछताण लगा।

विषय सूची

शिकंजी स्वाद

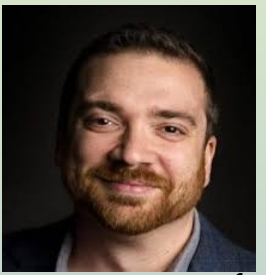

यक प्रोफेसर कलास नेण लगो थिआ। कलासे सम्हाईं गभुरु तसे लेक्चर खरे ध्यान जुओईं शुणण लगो थिए। से तेन्के पुछो सवाली के जवाब देण लगो थिए। पर कलास अन्तर तेन्हि गभुरु के बुछ यक गभुरु ईं बि थिउ जे चुपचाप त शड़ग शपथ बिशो थिउ।

प्रोफेसरे पेहलकणे रोज से गभुरु हेरी छओ थिउ, पर किछ न बोलु। पर जपल चोउर पन्ज रोज तकर ईहांणि चलु, त तेन से गभुरु अपु ओफिस भिउ त पुछु, "तु हर टेम उदास बिश्ता। कलास अन्तर अकेले त चुपचाप बिश्ता होर लेक्चर पुठ बि ध्यान न देन्ता। की बोक असी? किछ परिशानी असी ना?"

"सर, से...." कोईए किछ डरते डरते बोलु, ".....मोउं जुओईं पेहले किछ ईं भुओ असु, जेसे बझई जुओईं अउं परिशान रेहंता। समझ न एतु की करुण?" प्रोफेसर भलमास मेहणु थिआ। तेन ब्यादी से कुआ अपु गी भिआ। ब्यादी जिखेईं से कुआ प्रोफेसरे गी पुजा, त प्रोफेसरे से अन्तर भिआई कइ भीं बिशाणा। त अपफ कोठि अन्तर गा त शंकजी बणाण लगा। तेन जाणि कइ बि शंकजी अन्तर लुण बधाई छऊ।

विषय सूची

फि कोठि केईंया बाहरी एई कइ चाहे गलास तेस कोईए धे दी कइ, “हां, शंकजी पिए।”

कोईए गलास टाता शंकजी यक भुरुकु पियु त, सुआ लुणे बझई जुओईं तेन अपु मुँह होरु कइ छउ त मुँहे स्वाद बिगड़ी गा।

ईं हेर कइ प्रोफेसरे पुछु, “की भु? शंकजी खरी नओथ बणो ना?”

“ना जी, ईं बोक नेई। बस शंकजी अन्तर लूण धिक सुआ असु।” कोईए बोलु।

“अच्छा, अब त ए बेकार भोई गई। दे गलास मेन्धे दे। अउं एस फटाई छता।” प्रोफेसरे कुआ केईआ गलास नेण जे हतऊ अगर किउ। पर कोईए नाह् कर कइ बोलु, “ना बे जी, बस लुणे त ज्यादू थिउ। थोड़ी भई खन्न छते, त स्वाद ठीक भोई घेन्ता।”

ईं बोक शुण कइ प्रोफेसर खुश भोई गा त बोलु, “सही बोलु तेईं। अब एस समझीण बि दे। ए शंकजी तें जिन्दगी भो। एस अन्तर घुड़ो लुण तें पुराणी जिन्दगी भो। सुआ घुड़ो लुण तें जिन्दगी बुरे पल थिए। जीं लुण शंकजी अन्तरा बाहरी किढ़ ना सकते, तिहांणि तेन्हि पुराणे बुरे दिनि जिन्दगी केईआं अलग ना कइ सकते। से बुरे दन बि जिन्दगी हेस्सा भो। पर जीं अस खन्न घोड़ी कइ शंकजी स्वाद बदली छते, तिहांणी पुराणे पल भुलाई कइ जिन्दगी अन्तर मठास घोड़ीण एन्ती। तोउं त अउं चहांता कि तु अपु जिन्दगी अन्तर मठास घोड़।”

विषय सूची

प्रोफेसरे बोक कुआ समझी गा त तेन मन अन्तर सोचु कि अब से पुराणे दिनि हेर परिशान न बिश्ता।

शिच- जिन्दगी अन्तर अस हमेशा पुरणी बोके याद कर कइ दुखी रेहंते। तोउं त अस अपु एणे बाड़े टेम पुठ ध्यान दी ना सकते। कोठि न कोठि अस अपु भविष्य बगाड़ी छते। जे भोई गओ असु, तेस सुधारी ना सकते। पर कम से कम बिसरी त सकते ना त तेन्हि बसराण जे असी नोई मीठी बोके बणाण एन्ती। याद असी आज बणाण एन्ती। जिन्दगी अन्तर मठे त हसणे खेलणे बाड़े टेम अण्हे, तोउं त जिन्दगी अन्तर मठास एन्ती।

लखे टके बोक

- अगर कोउं अपफ जे बोडा धर्मी बोता, पर अपु जिभुड़ पाठ न रखता त से अपफ धोखा देन्ता, होर तसे धरमे कम बेकार असे।
- अपु लिए धरती पुठ धन कठा न करे, किस कि इठि कुण लगते, सड़ुआ लगता त चोरी के चोरणे डर रेहंता। पर अपु लिए स्वर्ग अन्तर धन कठा करे, जेठि न त कुण लगते, न सड़ुआ लगता, होर न चोरी के चोरणे डर रेहंता।

धाणि त तसे जुएली केआं अब सते बंटी अठ फेरे लवाण चाहिए। सत फेरे तेन्के व्याहे, अठुं जे फेरा असा, से कुई जे लवाण चहिए कि से कुई बचान्ते त तेस पढ़ान्ते ।

विषय सूची

रिश्ता नभाणे कथा

भोउए फोन शुणते त रामदेई अपु धाणि जुओईं बगैर टेम टोड़णे अपु बोउए गी पुज गई। से ईए सोबी केईआं ट्यारी कुई थी। तोउं त, अजागता ईए सुआ बुरे हाल हेर कइ रामदेई रोलुणे ठुहुक लाई त टीरि बइ पाणि तीं धरि लगी। ईए हथ अपु हथ अन्तर रखी कइ बोलु, "ईया.....ईया" हिक हिकि बस अतुरु बोलियु रामदेई बेलि।

कुई बोक शुण कइ ईए धिक टीर खोले। ट्यारी कुई सम्हाणि हेर कइ तसे मुँह धिक रंग ईं आ। "तु..एई...गई.. ना कुईए! तें की हाल!, हेर अब में घेणे टेम भोई गो असा, बस तोउ जुओईं यके बोक करीण थी!"

"पेहले तुस ठीक भुओ, बुढिए!! बोक पता कर।" रामदेई अपु टीरी बई पाणि छुओ रोकते रोकते बोलु।

"ना कुईए! मोउं केईं टेम नेई, शुण! ई बोउ केसेरी हमेशा ना रेहंते, तेन्के पता पियोक भौउ त भणी केईआं बणतु।" ईए बोक गबेई गो थी। रामदेई ईए ईं हाल हेर कइ अपु हिम्मत हारण लगो थी। त घड़ी घड़ी यके बोक बोलुण लगो थी "ईं ना बोल बारा बुढिए! सोब ठीक भोई घेन्तु।"

ईए अपु पूरी हिम्मत जुओईं बोलुणे कोशिश की। "अउं तोउ यके शिच दी कइ घेण लगो असी कुईए! में घेण केईआं पता बि पियोक ईंहाणि रौनक बड़ाई रखीण,

विषय सूची

"भौउए भणी प्रेम कदी लेणे देणे टकड़ी अन्तर न तोलुण कुई! मीठी जबान रज्जी भुन्ती।" ईए जीं तीं कर कइ मने बोक कुई जे बोल छेई। जन अन्तर अतु बोलणे तागत नेओथ, ईं बोत बोत तसे कईयां खड़िया जे एई गो थी।

"आं ईया! तुस बेफकर बिशे, हमेशा ईहांणि भुन्तु, अब तुस अडोल बिशे, हेरे तुसी केईआं बोलिण बि नेई लगो।" रामदेई ईया भरोसा दता त तनूर बटा तते पाणि गलास ईया पियाण जे जिहांणि खरकाण लगी, तिखेईं तकर तसे ईए टीर बन्न भोई गो थिए। तसे मुँह ईं दुफार भोई गो थिउ, जीं तसे मने भरोठु पोली गो थिउ। **लेखक: सुनीता त्यागी**।

फैसबुक फ्रेन्ड

अबू यक सधा साधा कुआ थिया। कालेज पढ़ण जे तेस अपु ग्रां छड़ दी कइ शेहर घेण थियु। जमदार बोउए यक यक रुपेई जोड़ी कइ अबू जे शेहर अन्तर हर यक चीज जोड़ी छई। त ईं सोच कइ यक अब्बल मोबाईल बि खरीद दता कि से ऑनलाइन पढ़ी सकियाल। **आनरोगा** ईं तेस अबू अपु सपने पूरे करण जे सुआ मेहनत करीणी थी। से **कोचिला भुणे** बझई जुओईं शेहरे गभुरु जुओईं ज्यादा उई मी ना बटा। त मतर बणाण जे तेन ईंटरनेटे साहारा निया। ईंहाणि कते कते फैसबुक बठ तेस तसे शेहरे अंकू नओंए यक कुआ जुओईं दोस्ती भोई गई।

विषय सूची

अंकू फोटो अबू तीं खरी लगी। तेन्हि दुही बुच ईए त ओ मैसेज भुण लगे।

पढ़ाई लिखाई जे दुतो फोने कम अब दोस्ती जे बोके त विडियो हेरणे त गैम खेलण जे भुण गा। अतु तकर कि अबू कलास अन्तर बि अपु पूरा ध्यान फोने कना रखताथ।

पक्कि दोस्ती आग, अंकू त अबू दोस्ती रात दन बधती गो थी। अतु तकर कि से यक होरी मोबाईल रिचार्ज बि करण लगे। हेरते हेरते तेन्के दोस्ती दुई टाई मेहने भोई गो थी, पर अपल तकर से यक होरी जुओईं यक लिंगि बि नेओथ मियो।

तोउं अंकू अबू जे यक जगाई मीइण जे फोन किया, "यार यक सुआ अब्बल खबर असी। तु वाटसाप कियो जगाई बठ एई गा। अब तु पढ़ाई जुओईं साते साते हर मेहेन पन्ज हजार रुपेई बि कमाई सकता। त एसे बहाने अस यक होरी जुओईं अम्हाणि सम्हाणि मी सकते।"

अबू खुशी कोई ठेकाणा न रिहा। दोस्त जुओईं मीइणे खुशी त पैसा कमाणे मौका बझई जुओईं से तीं खुश थिया। हेउस भ्यागे से झठ खड़ी कइ तियारीण लगा त अंकू दुतो पते बठ जे नशी गा। से जगा शेहर केईंया किछ दूर थी, तोउं त, अबू ता जे गो बस बठ चढ़ी गा।

विषय सूची

यक घन्टे सफर केईआं पता अखिर से पुछते पुछते दुतो तेस पते बठ पुजी गा। होता तेन दुआर टनकाण जे हथ नियो थियु दे, यक कार तसे भेएड़ एई कइ रुक गई। तेस अन्तर पझहताड़ी पन्जाह साले यक कमजोर ईं मेहणु बाहर निसा त बोलु, "शुण कोईया! की तें नओं अबू असु ना?

"आं कका", अबू बोलु। "अउं अंकू लघंओ असा। अजगता मीटिंगे जगा बदली गो असी। आई कार अन्तर बिश, अउं तोउ सही जगाई पजांता।" मेहणु बोलु। अबू झठ कार अन्तर बिशा त झठ नशी गए।

तेन मेहणु अबू दाह कर कइ तसे धे पीण जे फ्रूटी दिती! फ्रूटी पीण केईआं पता लगभग टाई चोउर घन्टे बाद जपल अबू टीर खुले त से यक पधर सलीए थिआ। तेस पेटे यक कना ती झा लगण लगो थी। तसे फोन त रेपेई बि गड़ी गो थिए। किछ टेम तकर

त तेस ईं समझ नेओथ एण लगो कि से इठि की कइ पुजा। फि तेन कमीरी खड़िया कर कइ जेठि झा लगो थी, तठि हेरु त तठि चीरा लगो थिआ।

अबू दिल तीं घटण लगो थिआ, से समिझ गा कि तेस जुओई किछ गलत भोई गो असु। से जीं तीं कइ डाक्टर केईं घेई गा। पर डाक्टरे जे बोक तेस जे बोली, तेस शुण कइ तसे खुर पहाड़ केईंया धरती हिल गई। तसे पेटा यक बुखी कोऊं घिन गो थिआ। **<u>अब से सुन भोई गा जीं कटे त लहू न नुसतु।</u>**

विषय सूची

से सोचुण लगा, “कीं सपने घिन कइ अउं ग्रां केईआं शेहर अओ थिआ। अब अउं अपु बोउ जे की जवाब दियुं।”

पढ़ाणे लिखाणे फल से सधा ठाणे पुजा। तठि पुज कइ तसे सम्हाणि डिजिटल दुनिये सोब सच्चाई एई गई। ए जे फैसबुके अंकू फोटो थी, से कोई कुआ नेओथ, बल्कि से यक बुढा थिआ जेन से कार अन्तर बिशाणो थिआ। से अबू ईं टेन्हि गभुरु जे दौड़ी शैठ बणण चहातेथ। तेन्हि अपु जाल अन्तर फसताथ। से मठे मठे तेन्के जिन्दगी अन्तर उई मी कइ तेन्के धे नौखरी देणे जुवान कताथ। तढ़िया पता तेन्के पेट अन्तर चीज चोरी कइ घिन घेन्ताथ। ईहांणि कत केस तसे नउ बठ थिए।

सोशियाल मीडिया बठ सोशियाल न भोई कइ अगर अबू सच्ची जिन्दगी अन्तर सोशियाल भुन्ताथ त शायद ईं टेम ना एन्ताथ। परदे पतुईं सच्चाई अब सीसे ईं साफ भोई गो थिउ। अत बोडी ठोकर लगणे बेलि अब तेन फोन बठ अपु टेम गवाण बन्न कइ छड़ा। सच्चे जिन्दगी त झूठी जिन्दगी अब तेस समझ एई गो थी, पर बोडी नुक्सान भुण केईआं पता।

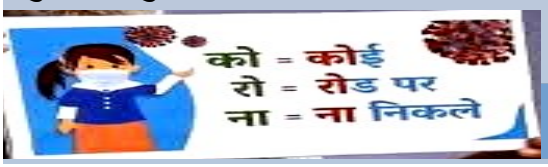

विषय सूची

घोड़े मूल

हीरे यक बोड़ा व्यापारी थिआ, जेस हीरे सुआ बोड़ा पार्खी मान्तेथ। पर सुआ बीमारी बेलि से मठड़ियारी मर गा। अपु पतुं से अपु जुएली त कुआ पतुं फटाई गा। जिखेईं कुआ मोटी गा त तेसे ईए तेस जे बोलु, "कोईया, मरण किया पेहला तें बोउए ई घोड़ आणतो थिआ। तु घोड़ घिन कइ बाजार गा त एसे कीमत पाता कर। ध्यान रख कि तोउ सद एसे कीमती पता करण, ए बेचुण नऊ।"

कुआ तेस घोड़ घिन कइ घेई गा। सोबी कियां पेहला तेस यक सब्जी बेचणे बाड़ी जिल्हाणु मेई। "केकिए, तुस ई घोड़े बन्टी मेन्धे की दी सकती? कोइए पुछु। "अगर तोउ ए घोड़ देणे असा त दुई गाजरी के बन्टी मेन्धे दी छा..... ए मैं तोलणे कम एईयाल।" सब्जी बेचणे बाड़ी बोलु।

कुआ अगर घेई गा। इस फेरी से यक दुकानदार केईं गा त तेस किआं तेस कीमती घोड़े कीमत पुछुण लगा। दुकानदारे बोलु, "एसे बन्टी अउं तेन्हे ज्यादु केआं ज्यादु 500 रुपेई दी सकता..... देण असा त दे, न ता इठिया अवोर गा।"

इस फेरी कुआ सुनिहार केईं गा। सुनिहारे तेस कीमती घोड़े बन्टी तेसे धे 50 हजार रुपेई देणे बोक की। तोउं से कुआ हीरे यक बोडी दुकान बठ गा। तेठी तेस तेस कीमती घोड़े बन्टी यक लाख रुपेई मेण लगो थिए। पर से तेठिया अगर घेई गा।

विषय सूची

तुबारि मासिक पत्रिका

- तुबारि मासिक पत्रिका ई उम्मीद करुं लगो असे कि एण बाड़े रोज अन्तर सुआ मेह्णु इस कम अन्तर साथोट देन्ते।
- इस तुबारि मासिक पत्रिका समाचार पत्र एक्ट अन्तर रिजिष्ट्रि नेई भो। सिर्फ पांगी घाटि अन्तर पढ़ुं जे त भाषाई सुहलियत करण जे इ पत्रिका शुरु किओ असी।
- तुबारि यक अवाणिज्यिक पत्रिका भो।
- तुबारि पत्रिका कोई मेह्णु] जनजाति] त संस्कृति गलती कढ़ेण जे नेई छपाण लगो। अगर कोई ईं सोचता बि त अस जिम्मेबार नेई।
- छपाणे पेहले सोब आर्टिकल दुई टाई पांगेई मेह्णु हरालो असे। इ त खुली बोक असी कि पेहलि बार पांगवाड़ि लिखणे सुआ मुशकिल भुन्ति त गलती बि भुन्ति। अगर कोई लिखणे गलती असी त असी जे जरूर बोले। त अस तसे होरे संस्करण पुठ ठीक करणे कोशिश कते।
- आर्टिकल्स ना मिएल, या घाटि मेह्णु के साथोट ना मिएल त तुबारि पत्रिका कदी बि बंद भुई सकती।
- कोई चीज छपां असी या नेई छपां जे तुबारि संपादकीय टीमे पुरा अधिकार असा।
- अस किलाड़ केन्द्रीय पुस्तकालय, त बजार हरिराम लाले दुकान अन्तर तुबारि ड्रॉप बॉक्स पुठ बि अपुं सझाव ओर अर्टिक्लस रखुं जे सुविधा किओ असी।
- अस सोबी पांगी मेह्णु जे हात जोड़ कइ अनुरोध कते कि तुस बि कोई अछा अर्टिक्ल पुराणि या नोई कथा, कहावत, कविता, त नोई घीत (पांगवाड़ी अन्तर लिख कइ छपां जे हेंघे दिए।

<u>तुबारि संपादकीय टीम</u>

9418429574
9418329200
9418411199
9418904168
9459828290

आखिर अन्तर से कुआ शेहरे सोबी कियां बोड़े हीरे पार्खी कें पुजा त बोलु, “श्रीमान जी, छने इस कीमती घोड़े कीमत बोलणे कष्ट करे।” तेन पेर्खी से कीमती घोड़ ध्यान जोई हेरा त हेरान भोई कइ तेस कोयीए धे हेर कइ बोलु, “ए त यक सुआ कीमती हीरा भो। करोड़ु रुपेई दी कइ बी इ हीरा मेण मुश्किल असा।”

शिच: मित्रों, अगर अस सोब जे मन लाई सोचेल त ईहांणी कीमती हें ईन्साने जीवन बि असा। ई होरी बोक असी कि असी बुचा सुआ मेह्णु एसे कीमट न जाणते त सब्जी बेचणे बाड़ी तेस जिल्हाणु ईं ए मामुली समझ कइ घटिया कम अन्तर लाई छांते।

एईए अस अरदास कते कि भगवान असी एस कीमती जीवन समझणे लिए सतबुध्दि दिए त अस हीरे पार्खी ईं इस जीवने कीमत समझी सकियेल।

विषय सूची

धीरा बड़ाई रखे

सुआ बोडा मुशकिल वक्त असा,
धीरा बड़ाई रखण।
यक फासला बड़ाई कइ अपु अपफु बचेई रखण

असी जन कीमती

बेवकते ए मुखी न घीए, इस देश बठ कोरोना
तुस कदी जितुण ना दिए।
इ वक्त बोलुण लगो असा
गीहा बाहर न नुसुण, अपु एन्तरी तागत बधाए
हिम्मतेरी बेली अपु इस बमेरी मुकाए
साथिया अपु हथी
केहि लिंगि धुंते रिहे
बिशे चौकेनी हमेशा
उफाई कियां बि बचे।

सुआ बोडा मुशकल वक्त असा,
धीरा बड़ाई रखे।
तेन्के जइ जइ अस सेवाई जे लगो असे,
सोब कुछ बिसिरी कइ अपु दन रात जे लगो असे।

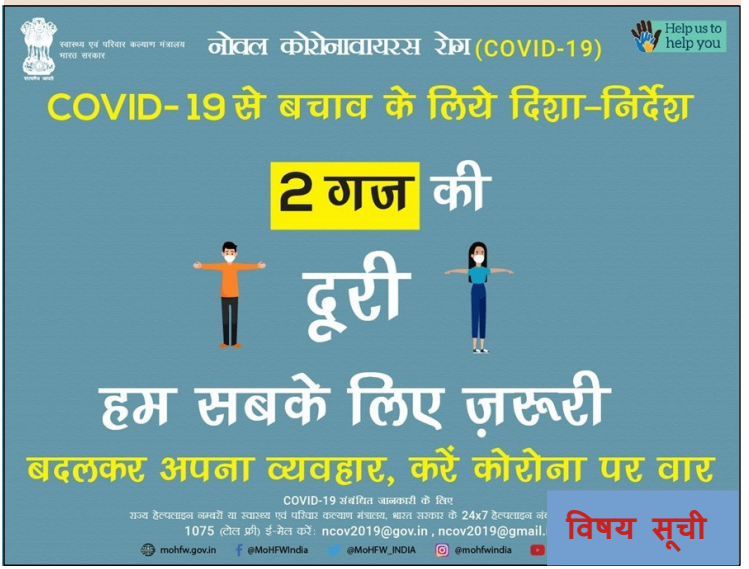

विषय सूची